



श्री विंध्येश्वरी की आरती

सुन मेरी देवी पर्वत वासिनी,

तेरा पार न पाया ॥टेक॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल,

ले तेरी भेंट चढ़ाया ॥

सुवा चोली तेरे अंग विराजै,
केसर तिलक लगाया।

नंगे पग अकबर आया,
सोने का छत्र चढ़ाया ॥

ऊँचे ऊँचे पर्वत भयो देवालय,
नीचे शहर बसाया।

सतयुग, त्रेता, द्वापर मध्ये,
कलियुग राज सवाया।

धूप दीप नैवेद्य आरती,
मोहन भोग लगाया।

ध्यान भगत मैया तेरे गुण गावें,
मनवांछित फल पावै ॥

अन्य आरतिया पढ़ें

- [गणेश जी](#)
- [रविदास जी](#)
- [हनुमान जी](#)
- [महावीर भगवान](#)
- [शनि देव](#)
- [शारदा माता](#)
- [अम्बे तू है जगदम्बे](#)
- [भैरव आरती](#)
- [ओम जय जगदीश हरे](#)
- [राधा जी](#)
- [साईं बाबा](#)
- [पितर](#)
- [बालाजी](#)
- [पार्वती जी](#)
- [बाबा रामदेव जी](#)
- [आरती कुंजबिहारी](#)

- [जय शिव ओंकारा](#)
- [अन्नपूर्णा माता](#)
- [महालक्ष्मी जी](#)
- [ब्रह्मा जी](#)
- [तुलसी माता](#)
- [शाकंभरी माता](#)
- [गंगा मैया](#)
- [प्रेतराज सरकार](#)
- [सूर्य भगवान](#)
- [परशुराम जी](#)
- [नर्मदा जी](#)
- [बटुक भैरव](#)
- [कृष्ण आरती](#)
- [श्री विंध्येश्वरी](#)
- [विश्वकर्मा जी](#)
- [बाबा गंगाराम जी](#)
- [शीतला माता](#)
- [बगलामुरवी आरती](#)
- [जाहरवीर बाबा](#)
- [आरती ललिता जी की](#)

- [गुरु गोरखनाथ](#)
- [रघुवर लला](#)
- [लड्डू गोपाल](#)
- [गीता जी](#)
- [बद्रीनाथ](#)
- [श्री रामायण जी](#)
- [सरस्वती माता](#)
- [गौ माता](#)
- [केदारनाथ की](#)
- [बाबा बालक नाथ की](#)
- [श्री भागवत भगवान](#)
- [गोलू देवता की](#)

हिन्दीपथ.कॉम